

SUBJECT: GEOGRAPHY

CLASS : B. A. Part Ist (Hons.), PAPER: Ist, UNIT: IIIrd

TOPIC : KARST TOPOGRAPHY

BY:— Dr Sanjay Kumar, Assistant Professor, Dept. of Geography,
D. B. College, Jaynagar, Madhubani, L.N.M.U. Darbhanga.

LECTURE NO : 11

(Email - sanjaykumar.phd@gmail.com)

(Cont.....)

→ गुफा एवं सम्बन्धित स्थलाकृतियाँ -

- 1) पोनार (Ponar)— यह स्थलाकृति गुफा के प्रवेश मार्ग स्वरूप पायी जाती है। धोलरन्ध्र की गुफा से जोड़ने वाली सन्धिय काफी चौड़ी एवं पाईपनुमा हो जाती है, जिससे होकर सतह का जल गुफा में प्रवेश करता है, और इसी मार्ग से भूमिगत नदी की शुरुआत होती है। इसे ही पोनार कहा जाता है।
- 2) गुफा (Cave)— यह भूमि के नीचे एक खोखली आवृत्ति है, जो विभिन्न आकार एवं विस्तार में पाई जाती है। इसकी रचना भूमिगत जल की धुलनक्रिया के द्वारा होती है, तथा विलयन का कार्य अपरागम्य चट्टानों तक होती है।
- 3) स्टैलेक्टाइट (Stalactite)— कन्दराओं / गुफाओं के छत से जल चूना मिश्रित जल टपकता है, तब आधिक्य ताप के कारण जल वाष्पीकृत हो जाता है, जिससे नीचे गिरने से पहले ही कन्दराओं के छत पर निक्षेप हो जाती है। ये लटकता होता है, जिस कारण इसे आकाशी स्तम्भ या स्टैलेक्टाइट कहा जाता है।
- 4) स्टैलेग्माइट (Stalagmite)— कम तापक्रम की दशा में कन्दरा की छत से चूना मिश्रित जल टपकता रहता है, जिससे सतह पर भी निक्षेपों के जमाव से उठते हुए स्तम्भ का निर्माण होता है। इसे पाताली स्तम्भ भी कहते हैं।
- 5) गुफा स्तम्भ— यह गुफा के छत को सतह से जोड़ने वाली स्तम्भ है जब स्टैलेक्टाइट और स्टैलेग्माइट दोनों बढ़ते हुए एक-दूसरे से मिल जाते हैं, तब गुफा स्तम्भ का निर्माण होता है।

(Karst Topography) (Cont.....) (Page: 03)

6) कार्स्ट खिड़की — गुफा स्तम्भ, गुफा को आधार प्रदान करता है, जहाँ स्तम्भ की कमी होती है, वहाँ गुफा के छत के गिरने से गुफा की सतह दिखावाई पड़ने लगती है, इस खाली जगह को ही कार्स्ट खिड़की कहते हैं।

7) कार्स्ट मैदान — वीदी के अनुसार कार्स्ट खिड़की के दृष्टिगोचर होने के बाद गुफा की छत से अन्य चट्टानें तेजी से गिरने लगती हैं और गुफा का सतह खुली सतह के रूप में निकल जाता है, इसे ही कार्स्ट मैदान कहते हैं।

कार्स्ट मैदान की तुलना पेनिप्लेन से की जाती है लेकिन

यहाँ सतह का अपरदन नहीं विलयन होता है तथा कहीं मोनेडनाँऊ स्वरूप ऊच्चभूमि दिखाई देती है जो चूना प्रधान नहीं होने से वितरित नहीं हो पाता है और उच्चावच विषमता को बढ़ाता है।

— x — x — x — x —